

# न्यायालय जिला कलेक्टर, टोंक

(गौरव अग्रवाल, आई०ए०एस०द्वारा अध्यासित)

प्रकरण संख्या  
प्रविष्टि दिनांक

57 / 2017  
11-5-2017

बदरी पुत्र नानगा गुर्जर निवासी महुआ तहसील उनियारा जिला टोंक राज०

-अपीलान्ट

बनाम

नायब तहसीलदार उनियारा जिला- टोक

-रेस्पोंडेण्ट

अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956  
विरुद्ध निर्णय नायब तहसीलदार उनियारा दिनांक 23-2-2017

उपस्थिति

- (1) श्री जितेन्द्र कुमार जैन अभिभाषक अपीलान्ट
- (2) श्री जुगनू शर्मा, राजकीय अभिभाषक रेस्पोंडेण्ट

निर्णय

दिनांक 15-3-2021

अपील का संक्षिप्त में सार इस प्रकार है कि अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार उनियारा ने अपने निर्णय दिनांक 23-2-2017 के द्वारा अपीलान्ट को राजकीय भूमि खसरा नम्बर 21/833 रकबा 0.50 है० वाके ग्राम महुआ पर पश्चातवर्ती अतिक्रमण मानकर भूमि से वेदखल करने पेनल्टी कायम कर फसल जप्त कर नीलाम करने का आदेश दिया है। अपीलान्ट ने नायब तहसीलदार उनियारा के उक्त आदेश से व्यथित होकर आदेश को खिलाफ कानून बताते हुए निरस्त किये जाने का निवेदन किया है।

प्रकरण प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया एवं तलबी रेस्पोंडेण्ट जरिए सम्मन की जाकर अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की गई। प्रकरण में अभिभाषक अपीलान्ट एवं राजकीय अभिभाषक की बहस सुनी गई।

विद्वान अभिभाषक अपीलान्ट ने दोराने बहस अपील में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि अपीलान्ट को नायब तहसीलदार उनियारा द्वारा निर्णय से पूर्व नोटिस नहीं दिया है ओर नोटिस पर अपीलान्ट की विधिवत् व्यक्तिशः तामिल नहीं हुई है। अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलान्ट को बिना सुने व बिना साक्ष्य सबूत पेश करने का अवसर प्रदान किये बिना एक पक्षीय निर्णय पारित किया है। अपीलान्ट ने कभी किसी प्रकार राजकीय भूमि पर जानबुझकर अतिक्रमण नहीं किया है तथा अपीलान्ट की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण या कब्जा करने की कोई भावना नहीं है। पटवारी हल्का ने अपीलान्ट के विरुद्ध अन्य लोगों के बहकावे में आकर मौके की वारतविक स्थिति के विपरीत जाकर झूठी एवं गलत रिपोर्ट अधीनस्थ न्यायालय में प्रस्तुत की है तथा उन्होंने मोका रिपोर्ट पर एकतरफा विश्वास करते हुए निर्णय पारित किया है जो निरस्त किये जाने योग्य है। निर्णय के बारे में अपीलान्ट को पटवारी द्वारा भूमि से वेदखल करने की धमकी दिये जाने

जिला कलेक्टर  
टोंक

पर ज्ञात हुआ। दिनांक 2-5-2017 को अपीलान्त ने निर्णय की नकलें लेने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया तथा दिनांक 3-5-2017 को तहसील कार्यालय से नकल प्राप्त कर यह अपील बिना किसी विलम्ब के पेश की जा रही है। अपील पेश करने में फिर भी यदि देरी मानी जावे तो उसे कन्डोन करने के लिए अलग से धारा-5 लि0 एक्ट प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र अलग से पेश किया जा रहा है। अतः अपील स्वीकार फरमाई जाकर अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय 23-2-2017 गिरस्त फरमाया जावे।

अपीलान्त के अभिभाषक की बहस का जवाब देते हुए राजकीय अभिभाषक ने कथन किया कि अपीलान्त ने राजकीय भूमि खसरा नम्बर 21/833 रकबा 0.50 है0 वाके ग्राम महुआ तह0 उनियारा पर रासों की फसल काशत कर अतिक्रमण किया है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्त को विधिवत नोटिस जारी किया गया था किन्तु अपीलान्त बावजूद सूचना न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ है। अपीलान्त ने सार्वजनिक उपयोग की राजकीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय सही एवं उचित है। अतः अपील अपीलान्त खारिज की जावे।

विद्वान अभिभाषक अपीलान्त एवं राजकीय अभिभाषक की बहस पर मनन किया एवं अधीनस्थ न्यायालय की अपीलाधीन पत्रावली का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली का अध्ययन करने से विदित होता है कि अपीलान्त को अधीनस्थ न्यायालय द्वारा नोटिस देकर तलब किया गया है किन्तु नोटिस पर अपीलान्त की विधिवत तामील नहीं हुई है। नोटिस पर कोशला अंकित है। जिससे यह साबित नहीं है कि अपीलान्त की तामील विधिवत करवाई गई हो। अपीलान्त अधीनस्थ न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ है। नायब तहसीलदार उनियारा द्वारा अपीलान्त की बिना सुनवाई का अवसर दिये निर्णय एकपक्षीय पारित किया गया है। ऐसी स्थिति में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय में हस्तक्षेप किया जाना उचित प्रतीत होता है।

फलतः अपील अपीलान्त स्वीकार की जाकर अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय दिनांक 23-2-2017 अपास्त किया जाकर नायब तहसीलदार उनियारा को प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रति प्रेषित (Remand) किया जाता है कि अपीलान्त को सुनवाई का समुचित अवसर दिया जाकर समस्त रिकार्ड/कब्जे की जांच कर पुनः विधिवत निर्णय पारित करें। स्थगन प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है।

निर्णय आज दिनांक 15-3-2021 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(गौरव अग्रवाल)  
जिल्हा न्यायालय  
टोक